**विद्याभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय**

**कक्षा – षष्ठ** **दिनांक -02-01-2020**

**विषय -हिन्दी** **विषय शिक्षक -पंकज कुमार**

**एन, सी, ई, आरटी, पर आधारित**

**सुप्रभात बच्चों आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएँ नववर्ष की।**

# अवतरण चिह्न या उद्धरणचिह्न ( "... " )

अवतरण चिह्न या उद्धरणचिह्न ("... ") की परिभाषा

किसी की कही हुई बात को उसी तरह प्रकट करने के लिए अवतरण चिह्न ( "... " ) का प्रयोग होता है।

**जैसे-** राम ने कहा, "सत्य बोलना सबसे बड़ा धर्म है।"

उद्धरणचिह्न के दो रूप है- इकहरा ( ' ' ) और दुहरा ( " " )।

इसके कुछ मुख्य नियम

जहाँ किसी पुस्तक से कोई वाक्य या अवतरण ज्यों-का-त्यों उद्धृत किया जाए, वहाँ दुहरे उद्धरण चिह्न का प्रयोग होता है और जहाँ कोई विशेष शब्द, पद, वाक्य-खण्ड इत्यादि उद्धृत किये जायें वहाँ इकहरे उद्धरण लगते हैं।

**जैसे-**

- "जीवन विश्र्व की सम्पत्ति है। "
- "कामायनी' की कथा संक्षेप में लिखिए।

पुस्तक, समाचारपत्र, लेखक का उपनाम, लेख का शीर्षक इत्यादि उद्धृतकरते समय इकहरे उद्धरणचिह्न का प्रयोग होता है।

**जैसे-**

- 'निराला' पागल नहीं थे।
- 'जुही की कली' का सारांश अपनी भाषा में लिखो।
- 'प्रदीप' एक हिन्दी दैनिक पत्र है।

महत्त्वपूर्ण कथन, कहावत, सन्धि आदि को उद्धत करने में दुहरे उद्धरणचिह्न का प्रयोग होता है।